(6) बिहार में आबादी का बहिर्गमन एवं निम्नस्तर नगरीकरण का सीधा सम्बंध राज्य के आर्थिक विकास से जुड़ा विषय है। विगत कुछ वर्षों में अच्छे विकास दर के बावजूद भी बिहार से आबादी के बहिर्गमन की समस्या बनी हुई है।

बिहार से आबादी के बहिर्गमन के कारण :-

यद्यपि बिहार में अति प्राचीन काल से ही आबादी का बहिर्गमन जारी है परन्तु प्राचीन काल में आबादी का बहिर्गमन मुख्यत: धार्मिक प्रचार के लिए हुए तो वहीं अंग्रेज बड़ी संख्या में मजदूर के रूप फिजी तथा कैरेबियन देशों में बिहार से लोगों को लेकर गये।

किन्तु वर्तमान में

बिहार से आबादी के बहिर्गमन में Push - Pull factor दोनों ही कार्यरत है।

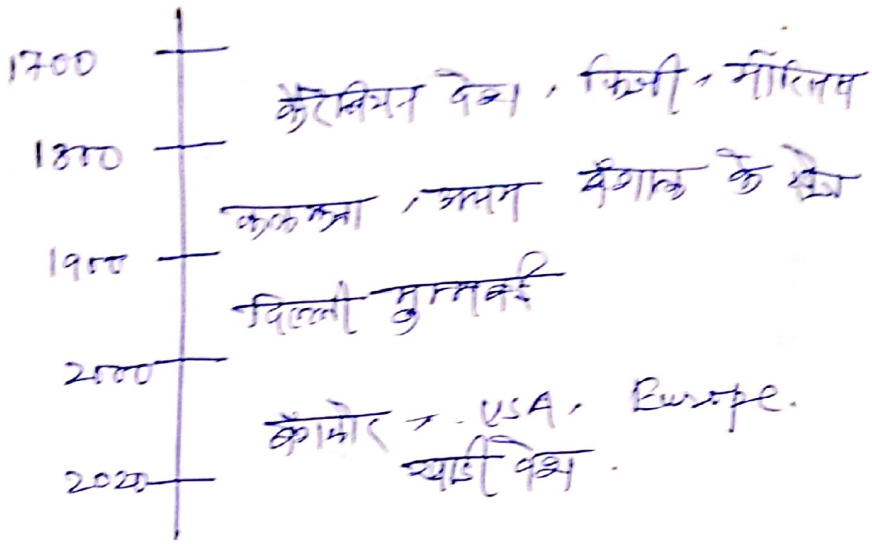

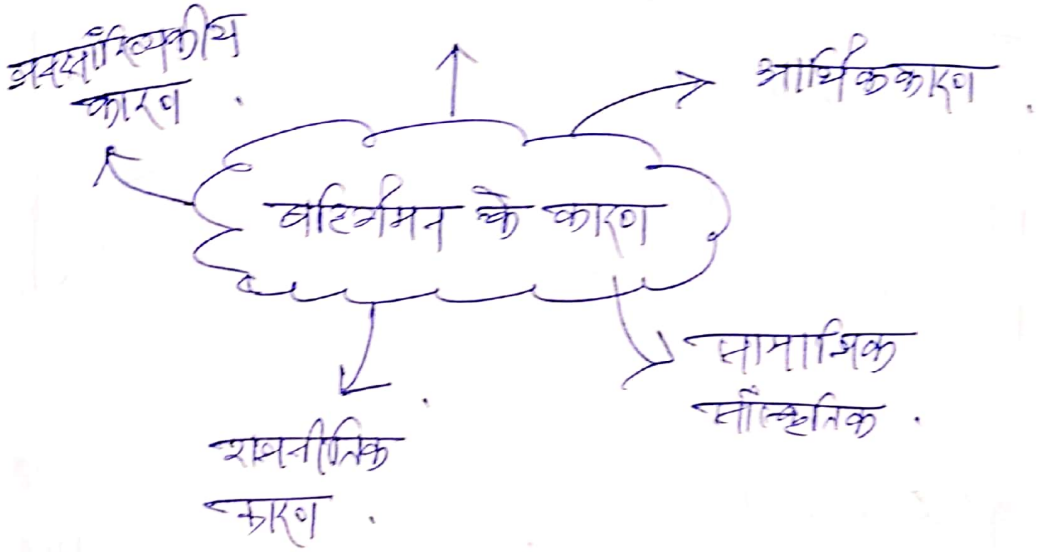

(1) <u>भौगोलिक कारण</u> :- बिहार में प्रायः प्रत्येक वर्ष बाढ़ का समस्या रहता है, जिससे जान-माल की भारी क्षति होती है। कृषि पूर्णतः नष्ट हो जाती है ऐसी अवस्था में पलायन ही एक मात्र उपाय है।

यहाँ उत्तर बिहार बाढ़ के चपेट में रहता है वहीं दक्षिण बिहार सूखा के चपेट में रहता है अत ऐसी स्थिति में जीविकोपार्जन के लिए आबादी का बहिर्गमन होता है।

② आर्थिक कारण :-

बिहार में खनिजों के अभाव के कारण उद्योगों की स्थापना नहीं हो पाती अत: रोजगार का अभाव है अत: यहाँ से आबादी का बहिर्गमन होता है।

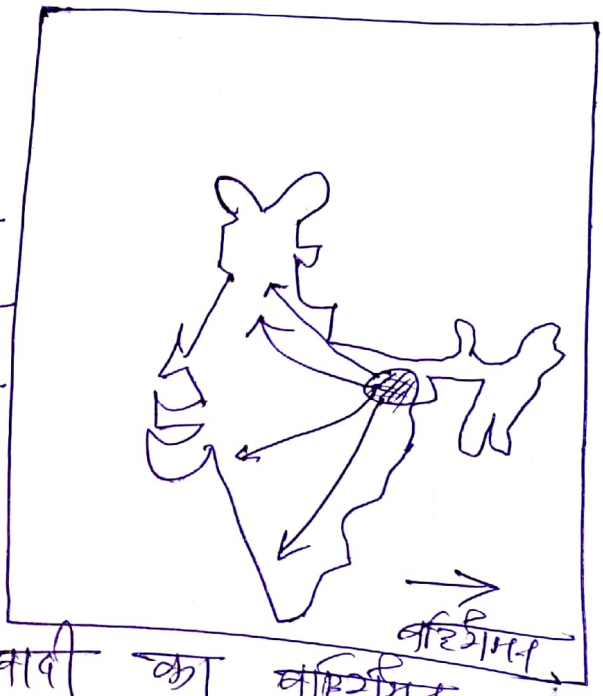

③ सांस्कृतिक कारक :- बिहार में कई जगह से खासकर मुस्लिम आबादी का खाड़ी देशों में बहिर्गमन होता है क्योंकि वहाँ उन्हें अच्छा वेतन मिलता है तथा वे सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से उनसे जुड़े होते हैं।

④ राजनीति कारण :- सरकारें बदलने पर कई बार किसी खास

क्षेत्र के लोग अपने को असुरक्षित महसूस करने लगते हैं अतः ऐसी स्थिति में भी आबादी का बहिर्गमन होता है।

इसके अलावा रोजगार का अभाव एवं बेरोजगारी भी आबादी के बहिर्गमन का मुख्य कारण है।

(v) जनसांख्यिकीय कारण :- बिहार की अधिकांश आबादी युवा है और युवा वर्ग का अधिक प्रवासन होता है। बिहार के युवा शिक्षा प्राप्त करने दूसरे शहरों में जाते हैं और बिहार में Skilled Job का अभाव होने के कारण वे वापस लौटकर नहीं आते। क्योंकि यहाँ IT Company एवं शोध का अभाव है।

* बिहार में निम्नस्तरीय नगरीकरण :-

बिहार में नगरीकरण 11.3% है जबकि देश में 31.16% है क्योंकि यहाँ खनिजों का अभाव है साथ ही झारखण्ड के अलग हो जाने के बाद प्रायः सारे प्रमुख शहर पटना को छोड़कर अलग हो गये।

Scanned with CamScanner

निम्नस्तरीय नगरीकरण के कारण :-

(1) **भौगोलिक कारण :-** खनिजों का अभाव मैदानी क्षेत्रों का कृषि पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नगरीकरण नहीं हो पाया। क्योंकि कृषि पर आधारित जनसंख्या अधिकांशत: प्राथमिक क्षेत्रों में कार्यरत रहती है।

(2) **आर्थिक कारण :-** प्रति व्यक्ति आय कम होना तथा केन्द्रीकरण एवं निजीकरण का अभाव होने के कारण। पूंजी की पर्याप्त कमी के कारण बिहार में नगरीकरण का विकास नहीं हो पाया।

(3) **सामाजिक कारण :**

अशिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी बिहार में निम्न नगरीकरण का प्रमुख कारण है। ग्रामीण क्षेत्रों से झुकाव के कारण भी नगरीकरण नहीं हो पाया।

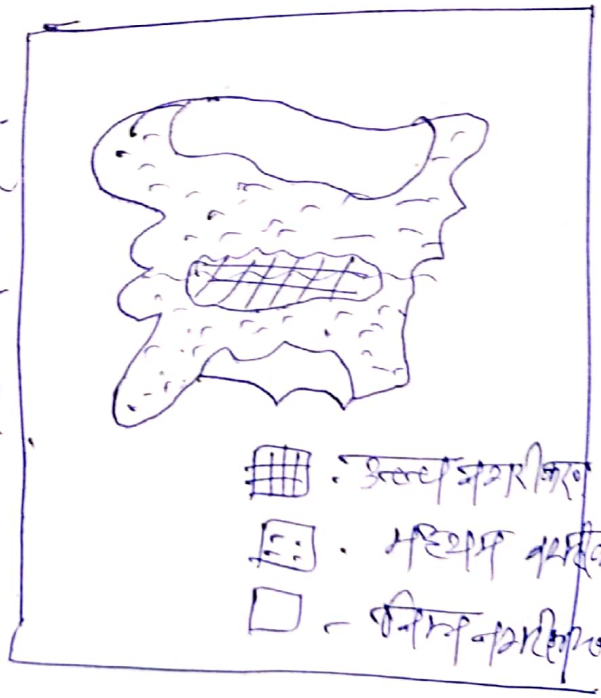

(4) राजनीतिक कारण :- राजनीतिज्ञों में इच्छा शक्ति का अभाव, भ्रष्टाचार एवं प्रशासन नियोजन के अभाव के कारण की बिहार में नगरीकरण नहीं हो पाया है।

अतः स्पष्ट है कि अगर उपयुक्त कारणों पर विराम लग जाये तो बिहार से आबादी के बहिर्गमन तथा निम्नस्तरीय नगरीकरण पर विराम प्राप्त किया जा सकता है। केंद्र सरकार इस दिशा में Smart City के तहत बिहार के पटना सहित 3 शहरों मुजफ्फरपुर, भागलपुर एवं बिहारशरीफ का चयन किया है।

अगर कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना की जाए तो बिहार से आबादी के बहिर्गमन एवं निम्न स्तरीय नगरीकरण से निजात पाया जा सकता है।

Scanned with CamScanner